भारत सरकार

पेयजल और स्‍वच्‍छता मंत्रालय

राज्‍य सभा

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या**. 664**

दिनांक **27.07.2015** को उत्‍तर दिए जाने के लिए

**xzkeh.k {ks=ksa esa 'kq) is;ty iznku djuk**

664- Jh jke ukFk Bkdqj%

D;k is;ty ,oa LoPNrk ea=h ;g crkus dh d`ik djsaxs fd%

¼d½ D;k ljdkj us ns'k ds xzkeh.k bykdksa ,oa lqnwj nsgkrh {ks=ksa rd LoPN is;ty igq¡pkus dk ladYi fy;k Fkk(

¼[k½ ;fn gk¡] rks rRlacaèkh C;kSjk D;k gS(

¼x½ ljdkj dh vksj ls ns'k ds fdu&fdu jkT;ksa esa LoPN is;ty dh O;oLFkk dh xbZ gS(

¼?k½ D;k fcgkj tSls xjhc jkT; dks Hkh blesa 'kkfey fd;k x;k gS( vkSj

¼³½ ;fn gk¡] rks LoPN is;ty xk¡o&xk¡o rd igq¡pkus dh ljdkj dh dk;Z ;kstuk dk C;kSjk D;k gS\

**उत्‍तर**

**राज्‍य मंत्री, पेयजल एवं स्‍वच्‍छता मंत्रालय**

**(श्री राम कृपाल यादव)**

(क) से (ड.) पेयजल एवं स्‍वच्‍छता मंत्रालय, भारत सरकार ने बिहार सहित सभी राज्‍यों को परामर्श दिया है कि देश में सभी ग्रामीण बसावटों को चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित पेयजल स्रोतों से विशेष रूप से सतह जल स्रोतों से पाइप से जल आपूर्ति योजना के माध्‍यम से पर्याप्‍त मात्रा में सुरक्षित पेयजल उपलब्‍ध कराएँ। इस लक्ष्‍य को प्राप्‍त करने के लिए सरकार की कार्य योजना को यह सुनिश्‍चित करना है कि कम से कम 50% ग्रामीण परिवारों को पाइप से जल आपूर्ति उपलब्‍ध कराई जाए; सन् 2017 तक कम से कम 35% ग्रामीण परिवारों को एक घरेलू कनेक्‍शन के साथ पाइप से जल आपूर्ति उपलब्‍ध हो। आगे सन् 2022 तक यह सुनिश्‍चित करना है कि कम से कम 90% ग्रामीण परिवारों को पाइप से जल आपूर्ति की जाए; कम से कम 80% ग्रामीण परिवारों को एक घरेलू कनेक्‍शन के साथ पाइप से जल आपूर्ति उपलब्‍ध हो बशर्ते कि केंद्र प्रसारित राष्‍ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के अधीन केंद्रीय हिस्‍से की पर्याप्‍त निधि उपलब्‍ध हो।

तथापि चूँकि पाइप से जल आपूर्ति की बड़ी योजनाओं को पूरा करने में 3-5 वर्ष का समय लगता है और ग्रामीण जनता को असुरक्षित पेयजल पीने के जोखिम में नहीं डाला जा सकता, उस समय तक भारत सरकार ने बिहार सहित सभी राज्‍यों को सुझाव दिया था कि वे आर्सेनिक और फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को उच्‍च शुद्धता के साथ जल गुणवत्‍ता प्रभावित बसावटों में पीने और खाना पकाने के लिए 8-10 लिटर प्रति व्‍यक्‍ति प्रतिदिन सुरक्षित पेयजल उपलब्‍ध कराने के लिए सामुदायिक जल शुद्धिकरण प्‍लांट लगाएँ। राज्‍यों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्‍थान, कर्नाटक, पंजाब, केरल, पुद्दुचेरी, हरियाणा, गुजरात, तमिल नाडु, महाराष्‍ट्र ने समुदाय आधारित रिवर्स ऑसमोसिस प्‍लांट लगाना शुरू कर दिया है। कुछ संयंत्र मध्‍य प्रदेश, उत्‍तर प्रदेश और छत्‍तीसगढ़ में लगाए गए हैं।

\*\*\*\*\*